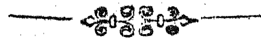
श्रीगणेशायनमः

अनुरागबाटिका॥



कुण्डलिया॥

श्रीजगबन्दनिशारदाबसोहियेबिचआय। ध्यानका
लिकामायकोअम्बेतुहीसहाय॥ अम्बेतुहीसहायमहिषकुं
जरमृगनायक। असुरनसकलबिदारिसदाजनदीनसहा
यक॥ कहिआतमपरसादअसुरदलशुम्भप्रचण्डनि। मो
परकृपाकटाक्षसदारखश्रीजगबन्दनि १ मातायहअभिला
षहैहरिगुणकरौंबखान। चाउरभरकीशक्तिनहिंलाखन
कोसपयान॥ लाखनकोसपयानभलाकैसेचलिजाऊं।
बांधूंकमरनिदानमातुहुङ्कारीपाऊं॥ कहिआतमपरसादन
हींकविपण्डितज्ञाता। मातुबनेकीलाजपुत्रकीनिबहैमा
ता २ सुमिरौंमाईशारदहिसकलगुणनकीखानि। दया
नमोपरछांड़ियेमन्दअभागीजानि॥ मन्दअभागीजानि
मातुमैंतुम्हैंमनाऊं। सियारामयशगायजगतसागरतरि
जाऊं॥ कहिआतमपरसादकहांतकविनयसुनाई। दीजै
हरिकीभक्तिदयाकरिसुमिरौंमाई ३ दाहिनरहुमातासदा
मैंहौंमहाकुपूत। अवगुणमोरिभुलायकैबांहगहौमजबूत॥
बांहगहौमजबूतहाथपीठीपरफेरो। दीजैयहबरदानहोउँ
हरिदासनचेरो॥ कहिआतमपरसादऔरकुछखटकाना।